पाठ 12. लाल टमाटर

इस कविता को कंठस्थ करके सुनाने से बच्चे शुद्ध उच्चारण करना सीखेंगे। उनकी स्मरण-शक्ति का विकास होगा। उनमें आत्मविश्वास जागेगा। सही उच्चारण तथा हाव-भाव सहित कविता सुनाने से उनका भाषा-ज्ञान बढ़ेगा।

पाठ की भूमिका

बच्चों को सब्ज़ियों तथा फलों के महत्व से परिचित करवाएँ। इनको खाने से क्या होता है? ये हमारे लिए क्यों आवश्यक हैं? इन प्रश्नों पर अपने विचार बच्चों को बताएँ। ईश्वर ने फलों और सब्ज़ियों के रंग अलग-अलग और आकर्षक इसलिए बनाए हैं ताकि हम उनकी तरफ़ आकर्षित हों तथा उनके महत्व को जानें। टमाटर बहुत ही आकर्षक है। उसको खाने से होने वाले फ़ायदों से संबंधित चर्चा करने के बाद कविता पढ़ाना शुरू करें।

पाठ का परिचय

इस कविता में बच्चा कल्पना करता है कि लाल टमाटर उससे बातें कर रहा है। बच्चा टमाटर तोड़ने के लिए आगे बढ़ रहा है और टमाटर उससे कहता है कि उसे अभी न तोड़ा जाए क्योंकि अभी वह कच्चा और हरा है। यदि उसे अभी न तोड़ा गया तो वह और अधिक पक जाएगा। पका टमाटर कच्चे टमाटर की अपेक्षा खाने में अधिक स्वादिष्ट होता है। लाल-लाल टमाटर से बच्चा आकर्षित होता है और उसे तोड़कर अपने घर ले जाने की बात करता है।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

फल और सब्ज़ियों का हमारे भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है।

पाठ का वाचन

लय के साथ कविता की एक-एक पंक्ति बच्चों को सुनाएँ। यदि कविता का पठन हाव-भाव के साथ किया जाए तो वह और भी अधिक प्रभावशाली होगा। बच्चे पुस्तकें खोलकर कविता का वाचन करें। कविता में आए नए शब्द या जिन शब्दों को अध्यापक/अध्यापिका उच्चारण या अर्थ की दृष्टि से कठिन समझें श्यामपट्ट पर लिखें – उन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ। जैसे – खाऊँगा, जाऊँगा, भूख, तोड़कर आदि।

महत्वपूर्ण चर्चा

कविता का सस्वर पाठ करने से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। हाव-भाव व उतार-चढ़ाव के साथ कविता सुनाने से उनमें शारीरिक क्रिया संबंधी तथा संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। मिल-जुलकर याद करने और आपसी सहयोग से कविता सुनाने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी व अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

बच्चों से जानें कि उन्हें कौन-सा फल व सब्ज़ी अच्छी लगती है और क्यों? सब्ज़ियों व फलों के रंगों पर भी चर्चा की जा सकती है। टमाटर सब्ज़ियों में अच्छा लगता है या सलाद में? कौन-कौन सी सब्ज़ियाँ उन्होंने पेड़-पौधों पर लगी देखी हैं। अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को कविता कंठस्थ करने को कहें। बच्चे शुद्ध उच्चारण व पूर्ण हाव-भाव सहित कविता सुनाएँ। चार-पाँच बच्चे मिलकर भी समूह गान के रूप में इसे सुना सकते हैं।